शासकीय कमला राजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (मध्य प्रदेश)

आनो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतः

इतिहास विषय के अध्ययनमंडल
द्वारा अनुमोदित इतिहास विषय के
स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

अनुमोदन अकादमिक सत्र
2018–2019

प्रस्तुतकर्ता

स्नातकोत्तर एवं शोध अध्ययन केन्द्र

इतिहास विभाग

प्राप्तकर्ता

अकादमिक प्रकोष्ठ

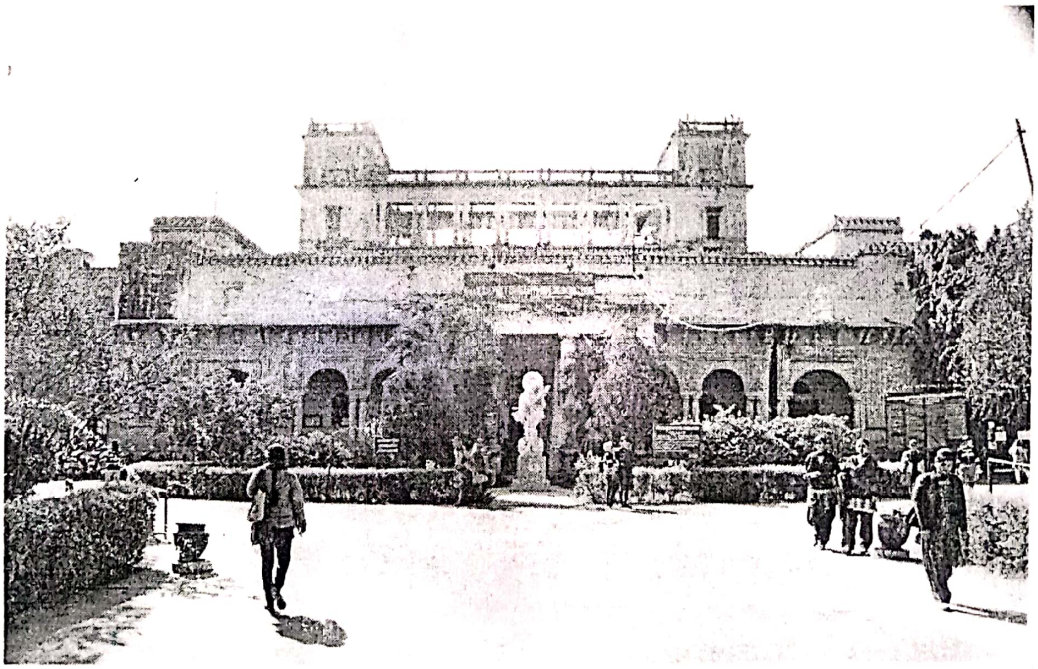

वेबसाइट : www.krgc.gwl.org ईमेल : krgc@rediffmail.com
दूरभाष : 0751 – 2625495, 0751 – 2438173, फैक्स : 0751 – 2625495

Scanned with Oken Scanner

टिप्पणी एवं आदेश

माननीय कुलपति महोदया के आदेशानुसार समस्त संकायाध्यक्षों की बैठक आज दिनांक 05/06/2018 को अपराह्न 03:00 बजे स्नातक स्तर के पाठ्यक्रम की स्कीम पर विचार करने हेतु परीक्षा नियंत्रक के कक्ष में आयोजित की गई है। जिसकी सूचना देने हेतु पत्र की स्वच्छ प्रति हस्ताक्षरार्थ प्रस्तुत है।

5/6/18

अनु0 अधिकारी (शैक्षणिक)

सूचना-पत्र की स्वच्छ प्रति हस्ताक्षरार्थ प्रस्तुत है।

D.R. (Acad.)

5/6

उक्त समिति की बैठक दिनांक - 5/6/18 को परीक्षा नियंत्रक के महोदय के कक्ष में सम्पन्न हुई।

अतः स्नातक स्तर के समस्त स्कीम में संकायाध्यक्षों के हस्ताक्षर करवा कर परीक्षा नियंत्रक को एवं सहायक परीक्षा नियंत्रक महोदय को भिजवाने हेतु प्रकरण आदेशार्थ प्रस्तुत।

6/6/18

~~अनु० अधिकारी~~ (अका)

Exam Controller

① LSPL

② M.P. Online ... Acad

6/6/18

JIWAJI UNIVERSITY, GWALIOR (M.P.)

B.A. FIRST YEAR (REGULAR) MARCH-APRIL 2018

Group Name	Paper Name	Theory Paper Marks					CCE Marks					Practical marks		Total Marks	
		1	2	3	Total marks		1	2	3	Total marks					
C/o		Max Marks	Max Marks	Max Marks	Max Marks	Min. Marks	Max Marks	Max Marks	Max Marks	Max Marks	Min. Marks	Max Marks	Min. Marks	Max Marks	Min. Marks
C	Foundation Course (I) Hindi Language & Moral Values (II) English Language (III) Entrepreneurship Development	30	30	25	85	28	05	05	05	15	05	-	-	100	33
O	Group – I														
	Urdu	40	40	-	80	27	10	10	-	20	06	-	-	100	33
	English Literature	40	40	-	80	27	10	10	-	20	06	-	-	100	33
	Hindi Literature	40	40	-	80	27	10	10	-	20	06	-	-	100	33
	Sanskrit Literature	40	40	-	80	27	10	10	-	20	06	-	-	100	33
	Functional Hindi	40	40	-	80	27	10	10	-	20	06	-	-	100	33
	Functional English	40	40	-	80	27	10	10	-	20	06	50	17	150	50
O	Group-II														
	Statistics	40	40	-	80	27	10	10	-	20	06	50	17	150	50
	History	40	40	-	80	27	10	10	-	20	06	-	-	100	33
	Economics	40	40	-	80	27	10	10	-	20	06	-	-	100	33
	Philosophy	40	40	-	80	27	10	10	-	20	06	-	-	100	33

Scanned with Oken Scanner

	Sociology	40	40	-	80	26	10	10	-	20	07	50	17	150	50
	Psychology	40	40	-	80	26	10	10	-	20	07	50	17	150	50
	Home Science	40	40	-	80	26	10	10	-	20	07	50	17	150	50
	Defense & Strategic Studies	40	40	-	80	26	10	10							
	Group -IV														
	Mathematics	40	40	40	120	40	10	10	10	30	10	-	-	150	50
	Political Science	40	40	-	80	26	10	10	-	20	07	-	-	100	33
	Geography	40	40	-	80	26	10	10	-	20	07	50	17	150	50
	Drawing & Painting	50	-	-	50	17	20		-	20	07	P_1-40 P_2-40	26	150	50
O	Computer Application	40	40	-	80	26	10	10	-	20	07	50	17	150	50
	Music Vocal	30	30	-	60	20	10	10	-	20	07	70	23	150	50
	Music Instrumental	30	30	-	60	20	10	10	-	20	07	70	23	150	50
	Music Dance	50	-	-	50	17	20		-	20	07	P_1-40 P_2-40	26	150	50

Class	Division	Grace Marks	Grace in Agg.- Each Paper	Theory Passing Marks	Practical Passing Marks	Suppl.	Appear paper	Total Paper	Max. Marks
				33%	33%	Yes	09	25	400/450
Y/N	Y/N	Y/N				1 Subject			
No	No	Yes							

C- Compulsory
O- Optional

संकायाध्यक्ष

कला संकाय

75

04

(06)

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर
GOVT. KAMLA RAJA GIRLS P.G. AUTO. COLLEGE, GWALIOR (M.P.) INDIA

(Affiliated to Jiwaji University, Gwalior under 2(f) & 12(b) NAAC – 'A' Grade Accredited Institute)

www.krgcgwalior.org krgc@rediffmail.com Phone : 0751- 2625495, 0751-2438173

ग्वालियर, दिनांक 18 अगस्त, 2018

इतिहास विभाग

अध्ययन मंडल की बैठक का कार्यवाही विवरण

नवीन सत्र 2018–19 हेतु इतिहास विषय से सम्बंधित

अध्ययन मण्डल की बैठक आज दिनांक 18 अगस्त, 2018 को प्रातः 11:00 बजे इतिहास विभाग में आयोजित की गई, जिसमें निम्नानुसार उपस्थिति रही –

		नाम		हस्ताक्षर
1.	डॉ.	मीना श्रीवास्तव - विभागाध्यक्ष		[signature] 18.08.18
2.	डॉ.	मधुबाला कुलश्रेष्ठ - सदस्य	(श्रेणी) 2	[signature] 18.8.18
3.	डॉ.	कु. कुमार रत्नम -	— " —	[signature] 18/8/18
4.	डॉ.	संजय स्वर्णकार	— " —	[signature] 18/08/18
5.	डॉ.	नीलबिहारी लाल	— " — (श्रेणी) 3	
6.	डॉ.	डी. के. श्रीवास्तव	— " —	
7.	डॉ.	नीरज गोयल	— " — (श्रेणी) 4	
8.	डॉ.	कु० सौम्या मिश्रा	— " — (श्रेणी) 5	Smishra
9.	डॉ.	रमेश भारद्वाज	— " — (श्रेणी) 6	[signature]
10.	डॉ.	राजेश अग्रवाल	— " —	
11.	डॉ.	शुक्ला ओझा	— " —	[signature] 18.8.18
12.	डॉ.	ब्रजेश कुमार	— " —	[signature]
13	डॉ.	एच. बी. माहेश्वरी	— " —	

P.T.O.

Scanned with Oken Scanner

अध्ययनमंडल की बैठक की कार्यवाही निम्नानुसार रही –

1. इतिहास विषय के स्नातक स्तर के प्रथम एवं द्वितीय वर्ष का पाठ्यक्रम अंक योजना सहित सत्र 2018–2019 हेतु अध्ययनमंडल द्वारा मान्य किया जाता है।

2. इतिहास विषय के स्नातक स्तर के पंचम एवं षष्ठ सेमेस्टर का पाठ्यक्रम अंक योजना सहित सत्र 2018–2019 हेतु अध्ययनमंडल द्वारा मान्य किया जाता है।

3. इतिहास विषय के स्नातकोत्तर स्तर के प्रथम, द्वितीय, तृतीय, एवं चतुर्थ, सेमेस्टर का पाठ्यक्रम अंक योजना सहित सत्र 2018–2019 हेतु अध्ययनमंडल द्वारा मान्य/अथवा आंशिक संशोधन के साथ मान्य किया जाता है।

4. इतिहास विषय की सत्र 2018–2019 में होने वाली परीक्षाओं हेतु संलग्न परीक्षकों की सूची को अध्ययनमंडल द्वारा मान्य किया जाता है।

5. विभाग में सत्र 2018–2019 में यदि कोई शोध संगोष्ठी/कार्यशाला/अधिवेशन/अध्ययन भ्रमण आदि के आयोजन का प्रस्ताव है तो उसका विवरण एवं अनुशंसा

(01) राष्ट्रीय संगोष्ठी विषय: "स्वतंत्रता से पूर्व भारत में राष्ट्रीय आंदोलन और जनजागरण" पर माह जनवरी अथवा फरवरी 2019 में किये जाने का प्रस्ताव सर्व-सम्मति से स्वीकृत किया गया। यह कार्य विभागाध्यक्ष के निर्देशन में किया जावेगा, यह मान्य किया गया।

(02) विद्यार्थियो के लिये ग्वालियर अथवा इसके आस-पास के ऐतिहासिक क्षेत्र के भ्रमण का प्रस्ताव रखा गया, जिसे अध्ययन मंडल द्वारा मान्य किया जाता है।

(03) एक दिवसीय कार्यशाला- विषय "म०प्र० की लोक संस्कृति और इतिहास" पर राष्ट्रीय कार्यशाला का प्रस्ताव रखा गया। जिसे अध्ययन मंडल द्वारा मान्य किया जाता है।

18/8/18 Smishra

18.8.18
Prof. & H.O.D. History
... Auto. College, Gwalior

P.T.O

Scanned with Oken Scanner

6. यदि विभाग में स्ववित्तीय योजना के तहत् कोई पाठ्यक्रम/अतिरिक्त विषय/डिप्लोमा कोर्स/सर्टिफिकेट कोर्स प्रारंभ करने की योजना हो तो उसका विवरण एवं अनुशंसा।

7. यदि अन्य कोई विषय हो तो उसका विवरण एवं अनुशंसा।

एम॰ ए॰ चतुर्थ सेमेस्टर में लघु शोध प्रबन्ध हेतु पारिश्रमिक, जीवाजी विश्वविद्यालय द्वारा स्वीकृत आंतरिक एवं वाह्य-परीक्षक हेतु प्रति कॉपी 100/- रूपये अध्ययन मंडल द्वारा मान्य किया जाता है।

हस्ताक्षर अध्ययन मंडल अध्यक्ष एवं समस्त सदस्य

18.8.18

18.8.18

18.08.18

Prof. & H.O.D. History
Govt. K.R.G. Auto. College, Gwalior

(09)

इतिहास - विभाग

दिनांक 18.08.2018

प्रति,

प्राचार्य / अकादमिक सचिव
शा० कमला राजा कन्या स्नातकोत्तर
महाविद्यालय, ग्वालियर
(म० प्र०)

विषय : दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी हेतु प्रस्तावित कार्य एवं बजट की रूपरेखा प्रस्तुति बावत् ।

महोदय / महोदया

उपर्युक्त विषयान्तर्गत निवेदन है कि इतिहास विभाग द्वारा माह जनवरी अथवा फरवरी में दो दिवसीय राष्ट्रीय शोध-संगोष्ठी के आयोजन हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत है। संगोष्ठी का विषय है - " स्वतंत्रता से पूर्व भारत में राष्ट्रीय आंदोलन और जनजागरण "। निम्नांकित विषय की संगोष्ठी में लगभग 200-250 रजिस्ट्रेशन होने की संभावना है, जिसका अनुमानित व्यय इस प्रकार से है -

क्र०	मद, जिस हेतु व्यय होना है	अनुमानित राशि
1	व्याख्यान कर्त्ता एवं अतिथियों का मानदेय	20,000/- (बीस हजार रुपये)
2	250 लोगों की भोजन व्यवस्था प्रथम दिन	75,000/- (पचहत्तर हजार) रु०
3	——— " ——— द्वितीय दिन	75,000/- (——— " ———)
4	——— " ——— का चाय / नाश्ता	15,000/- (पन्द्रह हजार) रु०
5	शोधार्थी / प्राध्यापक हेतु फाइल, पेन, लेटर पेड आदि	37,500/- (सैंतीस हजार पांच सौ) रु०
6	आवास व्यवस्था 50 व्यक्तियों की (बाह्यशोध)	50,000/- (पचास हजार) रुपये
7	शोध पत्रों की प्रोसेडिंग प्रकाशन हेतु	50,000/- (पचास हजार) रुपये
8	वाहन किराया मय पेट्रोल / डीजल	20,000/- (बीस हजार) रुपये
9	स्टेशनरी / डाक टिकट / फोटोकॉपी आदि	10,000/- (दस हजार) रुपये
10	प्रमाण पत्र / ब्रोशर	20,000/- (बीस हजार) रुपये
11	अतिथियों को मूमेन्टो	5,000/- (पांच हजार) रुपये

व्यय होने वाली अनुमानित राशि का योग - Rs → **377500/-** (तीन लाख सत्तर हजार पांच सौ)

कृपया महाविद्यालय स्वशासी प्रकोष्ठ से प्रदान की जाने वाली की स्वीकृति एवं संगोष्ठी / सेमीनार आयोजन की स्वीकृति प्रदान करने की तथा प्रोसेडिंग प्रकाशित करने की अनुमति प्रदान करने की कृपा करें।

[signatures] 18/8/18

[signature] 18.08.2018
प्राध्यापक
Prof. & Head, Deptt. of History
Govt. K.R.G. P.G. Auto. College Gwalior

Department Of higher Education, Govt. Of M.P.
Under Graduate Syllabus
As Recommended by Central Board of Studies
उच्च शिक्षा विभाग, म0प्र0 शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये सेमेस्टर अनुशार पाठ्यक्रम
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित

Session 2017-18

इतिहास विषय में बी. ए. प्रथम वर्ष में दो, द्वितीय वर्ष में दो एवं तृतीय वर्ष में दो सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र होंगे, इसमें वस्तुनिष्ठ, लघु उत्तीरीय एवं दीर्घ उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र 42½ अंकों का होगा। साथ ही 15 अंकों का आन्तरिक मूल्यांकन होगा। (5 अंक त्रैमासिक एवं 10 अंक छःमाही) स्वाध्यायी विद्यार्थियों के लिये प्रति प्रश्न पत्र 50 अंकों का होगा।

Type of Question प्रश्न का प्रकार	No.of question प्रश्नों की संख्या	Marks/ अंक		Total Marks/ कुल अंक	
		Regular	Private	Regular	Private
Objective question वस्तुनिष्ठ प्रश्न	05	0.5	01	2.5	05
Short Answer question लघु उत्तरीय प्रश्न	05	3	03	15	15
Long Answer question दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	05	5	06	25	30
Total Marks कुल अंक				42½	50

18.8.18

18.8.18

Prof. & H.O.D. History
Govt. K.R.G. Auto. College, Gwalior

Scanned with Oken Scanner

(11)

Department of Higher Education , Govt. Of M.P.
Under Graduate Syllabus
As recommended by Central Board of Studiese and approved by the Governor of M.P.
उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र.शसन
केंद्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित
Session 2017-2018, 2018-19, 2019-20
Subject/विषय
Ancient Indian History, Culture and Archaeology(AIHC & A)

प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व

विषय में बी.ए. प्रथम वर्ष

प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व

त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम कुल 300 अंको का होगा। प्रतिवर्ष 100 अंकों की परीक्षा होगी, प्रत्येक प्रश्न पत्र 42½ अंकों का होगा। आन्तरिक मूल्यांकन के 15 अंक होगें । जिसमें पांच अंकों का आवश्यक तिमाही परीक्षा के आधार पर तथा 10 अंकों का आवटन छः माही परीक्षा के आधार पर होगी

आंतरिक मूल्यांकन का आधार उच्च शिक्षा विभाग के वेवसाइट पर दिये गये निर्देशानुसार होगा । स्वाध्यायी विद्यार्थियों का मूल्यांकन प्रति प्रश्न पत्र 50 अंकों में होगा।

बी. ए. प्रथम वर्ष – सभी अनिवार्य

प्रथम प्रश्न पत्र – प्राचीन भारत का राजनैतिक इतिहास
(प्रारम्भ से 1206 ई. तक)

द्वितीय प्रश्न पत्र –मानव मूल्य एवं प्राचीन भारतीय संस्कृति

बी. ए. द्वितीय वर्ष – सभी अनिवार्य

प्रथम प्रश्न पत्र – प्राचीन भारतीय अभिलेख और मुद्रा शास्त्र के तत्व

द्वितीय प्रश्न पत्र – मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक विरासत
(स्थापत्य एवं शिल्प)

बी. ए. तृतीय वर्ष – प्रथम प्रश्न पत्र अनिवार्य एवं द्वितीय प्रश्न पत्र वैकल्पिक में से कोई एक

प्रथम प्रश्न पत्र– भारतीय पुरातत्व के मूलतत्त्व

द्वितीय प्रश्न पत्र – अ. . भारतीय धर्म एवं दर्शन

अथवा

ब. प्राचीन भारतीय राजनय, प्रशासन एवं आर्थिक परिदृश्य

18.8.18 18/8/18 18.8.18

Prof. & H.O.D. History
G. Auto. College, Gwalior

Scanned with Oken Scanner

Department of Higher Education , Govt. Of M.P. Under Graduate Syllabus
As recommended by Central Board of Studiese and approved by the Governor of M.P.
उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र.शासन केंद्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित

Session 2017-2018

- कक्षा: / Class: : बी. ए. प्रथम वर्ष/ B.A 1st Year
- विषय:/ Subject : प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व
  :Ancient Indian History Culture and Archaeology
- प्रथम प्रश्न पत्र/ Tittle of 1st Paper : प्राचीन भारत का राजनैतिक इतिहास (आरम्भ से 1206 ई. तक)
  : Political History of Ancient India (From begiening to 1206 AD)
- अधिकतम् अंक/ Maximum marks : नियमित 42 ½
  : स्वाध्यायी 50
- उद्देश्य/ Purpose : कालक्रमानुसार भारत की राजैतिक स्थिति का शिक्षण
  To educate the political condition of ancient India in chronological manner
- अनिवार्य / Compulsary : Compulsary :

विवरण/Particulars

Unit		Syllabus
Unit 1	हिन्दी	ईकाई–1– इतिहास की परिभाषा, क्षेत्र, स्रोत, हड़प्पा एवं ताम्राश्मीय संस्कृतियाँ, वैदिक युग, देशज उद्भव, विकास, महाजनपद युग,मगध का उत्कर्ष, नन्दवंश एवं सिकन्दर का आक्रमण और प्रभाव ।
	English	Defination and scope of History, Sources, Harappan and chalcolithic cultures, vedic age, date, Indigenious origin and development. Mahajanpada age, Rise of Magadha Empire, Invasion of Alexender and its effects.
Unit -2	हिन्दी	मौर्य वंश, चन्द्रगुप्त मौर्य एवं अशोक, हिन्द–यूनानी, डेमेट्रियस, मिनान्डर, शुंग–पुष्यमित्र, सातवाहन –गौतमीपुत्र सातकर्णी, वाशिष्ठी पुत्र पुलमावी, शक–क्षत्रप – नहपान, रूद्रदामन, कलिंग नरेश खारवेल, कुषाण नरेश कनिष्क, शक संवत।
	English	Maourya dynasty, Chandragupta Maurya and Ashoka, Indogreek, Demetrious, Menander, Shunga- Pushyamitra, satvahanas- Gautamiputra satkarni, Vashisthiputra Pulmavi, Shakas-Nahpan, Rudradamana, Kharvela king of Kalinga, Kanishka king of Kushana and Shak samvat.
Unit- 3		संवत प्रवर्तक विकमादित्य, संगम साहित्य, गुप्तों के उदय के पूर्व की राजनैतिक शक्तियाँ– मालव, यौधेय, नागवंश

18/8/18 18.8.18 18/8/18 18.8.18

Prof. & H.O.D. History
K.R.G. Auto. College, Gwalior

Scanned with Oken Scanner

	हिन्दी	गुप्तवंश–चन्द्रगुप्त प्रथम, समुद्रगुप्त, रामगुप्त, चन्द्रगुप्त द्वितीय, कुमारगुप्त, स्कन्दगुप्त, प्रभावती गुप्ता, गुप्त वाकाटक सम्बंध, मौखरीवंश –ईशानवर्मा)
	English	Vikramaditya- Originator of Samvat Era, Sangam literature, Political powers of India before the origin of Guptas, Gupta dynasty- Chandragupta-I, Samudragupta, Ramgupta, Chandragupta-II, Kumargupta, Skandagupta, Prabhavatigupta and Gupta vakataka relation, Maukhari-Ishanvarma
Unit -4	हिन्दी	पुष्यभूति राजवंश–हर्ष, राजपूतो का उदय, प्रतिहार – नागभट्ट द्वितीय, मिहिर भोज, कलचुरि– गांगेयदेव , लक्ष्मीकर्ण, चंदेल– यशोवर्मन एवं धंग, पाल –धर्मपाल, त्रिकोणात्मक संघर्ष, परमार – भोज, गहड़वाल –जयचन्द्र,गोविन्दचन्द्र, चाहमान – पृथ्वीराज तृतीय
	English	Pushyabhuti dynasty- Harsha, origin of Rajputas, Pratiharas- Nagbhatta-II, Mihirbhoja, Kalchuris- Gangeyadeva and Laxmikarna, Chandella- Yashoverman and Dhang, Palas- Dharmapal, Parmaras- Bhoja, Gahadvala- Govinda Chandra and Jaichandra, Chahmana-Prithviraj-III.
Unit -5	हिन्दी	पल्लव वंश – महेन्द्र वर्मन प्रथम एवं नरसिंह वर्मन, चालुक्य– बादामी– पुलकेशिन द्वितीय, कल्याणी– तैलप द्वितीय एवं सोमेश्वर, चोलवंश – राजराज एवं राजेन्द्र चोल, राष्ट्रकूट– ध्रुव, गोविन्द तृतीय, कृष्ण द्वितीय, इन्द्र तृतीय
	English	Pallava Dynasty- Mahendra Varman I, Narsimha Varman. Chalukyas- Badami- Pulkeshin II, Kalyani- Tailap-II. Someshwar Chola Dynasty- RajRaj Chola and Rajendra Chola Rashtrakutas- Dhurva, Govind-III, Krishna-II, Indra-III

Suggested Readings

1-	R.K. Mookerji	-	Ancient India
2-	Majumdar, Raychowdhry & Dutta	-	An Advanced History of India.
3-	R.C. Majumdar (Ed)	-	The Vedic Age, Age of Imperial Unity, The classical Age.
4-	H.C. Raychowdhary	-	Political History of Ancient India.
5-	डॉ. राजकुमार शर्मा	–	म0 प्र0 का प्राचीन इतिहास,
6.	एच. सी. रायचौधरी		भारत का राजनीतिक इतिहास
7.	भगवानसिंह वर्मा एवं एस. के सुल्लेरे		प्राचीन भारत का इतिहास

18.8.18

Prof. & H.O.D. History
Auto. College, Gwalior

(14)

8–	उदयनारायण राय	–	गुप्त साम्राज्य का इतिहास
9–	विमल चन्द्र पाण्डे	–	प्राचीन भारत का राजनीतिक एवं सांस्कृतिक इतिहास भाग 1.2
10–	वासुदेव शरण अग्रवाल	–	हर्ष चारित का सांस्कृतिक अध्ययन
11–	डी.सी. गांगुली	–	परमार वंश का इतिहास
12–	जी. याजदानी	–	दक्कन का इतिहास

18/8/18

18.8.18

18.8.18

Prof. & H.O.D. History
Govt. K.R.G. Auto. College, Gwalior

Scanned with Oken Scanner

... द्वारा अनुमोदित

15

Session 2017-2018

- कक्षाः / Class: : बी. ए. प्रथम वर्ष / B.A 1st Year
- विषयः / Subject : प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व
  :Ancient Indian History Culture and Archaeology
- द्वितीय प्रश्न पत्र / Tittle of II Paper : मानव मूल्य एवं प्राचीन भारतीय संस्कृति
  : Human values and Ancient Indian culture
- अधिकतम् अंक / Maximum marks : नियमित 42 ½
  : स्वाध्यायी 50

उद्देश्य / Purpose : भारतीय संस्कृति में समाहित मानव मूल्यों को उजागर करना,
To highlight the human values which are integrated in ancient Indian culture.

अनिवार्य / Compulsary : Compulsary :

विवरण / Particulars

Unit		Syllabus
Unit- 1	हिन्दी	मानव मूल्य की अवधारणा, अर्थ, एवं परिभाषाएँ, मानव मूल्य के धारक तत्व, मानव मूल्य सम्बंधित भारतीय चिंतन, वर्ण–व्यवस्था, जाति व्यवस्था
	English	Concept of human values, meaning and definations, Bearers of Human values, Indian thoughts about Human values, Varna system, Jati system
Unit -2	हिन्दी	वैयक्तिक एवं सामाजिक उत्कर्ष हेतु चिन्तन– आश्रम व्यवस्था, संस्कार, विवाह –उद्देश्य एवं प्रकार, पुरूषार्थ चतुष्ट्य एवं मानव मूल्यों के संबर्धन में पुरूषार्थ की भूमिका ।
	English	Thoughts for personal and social elevation- Ashram system, Samskaras, Marriage- aims and types, Purushartha chatustaya and role of Purushartha in upliftment of human values
Unit- 3	हिन्दी	त्रि–ऋण, पंच–महायज्ञ, उपनयन, एवं समावर्तन (दीक्षा) में मानव मूल्य, विविध भारतीय धर्मो–शैव, वैष्णव शाक्त, बौद्ध एवं जैन धर्म की शिक्षाओं में मानव मूल्यों के तथ्य।
	English	Tri-Rina, Panchmahayajna, Human values during teachings (Diksha) in upnayan and Samapvartan,

18/8/18

Prof. & H.O.D. History
... Auto. College, Gwalior

Scanned with Oken Scanner

		Elements of Human values in the teachings of Indian Relegions- Shaiva, Vaishnava, Shakta, Jaina and Bauddha.
Unit- 4	हिन्दी	शिक्षा –उद्देश्य, आदर्श एवं महत्व, वैदिक एवं वैदिकोत्तर शिक्षा, शिक्षण पद्धति , शैक्षणिक केन्द– काशी, उज्जयिनी, तक्षशिला, नालन्दा, कांची एवं वल्लभी, बौद्ध शिक्षा एवं शिक्षा पद्धति, नारी शिक्षा, मानव मूल्यों के सम्वर्द्धन में शिक्षा की भूमिका ।
	English	Education- Aims, Idol and importance, Education during Vedic and later vedic period, methods of teaching, Centres of education- Kashi, Ujjaini, Taxila, Nalanda, Kanchi and Vallabhi, Buddhist teaching and technique methods, women education, role of education in the upliftment of Human values.
Unit- 5	हिन्दी	परिवार– अवधारण, अर्थ , उद्भव विकास, प्रकार , परिवार के सदस्यों के कर्त्तव्य, नैतिक मूल्यों के सम्बर्धन में परिवार का योगदान, पारिवारिक विघटन एवं समाज पर प्रभाव ।
	English	Family- concept, meaning- origin and developments, Type of family, duties of family members, roll of family in the upliftment of natural values. Disruption of family and effect on the society.

Suggested Readings

1- R.C. Majumdar (Ed) - History & Culture of the Indian People (Vol1-V)
2- U.N. Ghoshal - Agrarian System in Ancient India
3- R.K. Mookerji - Ancient Indian Education
4- A.S. Allekar - Positions of women in Hindu Civilization/ Education in ancient india
5- Kane P.V. - History of the Dharmashastra
6- Omprakash - Economy & Food in Ancient India (Vol-2)
7- के. सी. जैन - प्राचीन भारतीय सामाजिक एवं आर्थिक संस्थाएँ
8 हरिदत्त वेदालंकार . हिन्दु परिवार मीमान्सा
9. चन्द्र देव सिंह प्राचीन भारतीय समाज और चिन्तन
9 रामकुमार अहिरवार . सामाजिक संरचना : विविध चरण (दो भाग)
10 जय शंकर मिश्र . प्राचीन भारत का सामाजिक इतिहास

18.8.18

18.8.18

18.8.18

Prof. & H.O.D. History
Govt. K.R.G. Auto. College, Gwalior

Scanned with Oken Scanner

(17)

Department of Higher Education , Govt. Of M.P. Under Graduate Syllabus
As recommended by Central Board of Studiese and approved by the Governor of M.P.
उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र.शासन केंद्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित

Session 2018-2019

- कक्षा: / Class: : बी. ए. द्वितीय वर्ष/ B.A II Year
- विषय:/ Subject : प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व
  :Ancient Indian History Culture and Archaeology
- प्रथम प्रश्न पत्र/ Tittle of Ist Paper : प्राचीन भारतीय अभिलेख और मुद्रा शास्त्र
  Elements of Indian Epigraphy and Numismatics.
- अधिकतम् अंक/ Maximum marks : नियमित 42 ½
  : स्वाध्यायी 50

उद्देश्य/ Purpose : भारतीय पुराभिलेख एवं मुद्राव्यवस्था के विषय में आवश्यक जानकारी प्रदान करना ।

To provide Basic information about the ancient Indian inscriptions and Coinage systems.

अनिवार्य / Compulsary : Compulsary :

विवरण/Particulars

Unit		Syllabus
Unit- 1	हिन्दी	भारत में लेखन कला का उद्भव एवं विकास, लेखन सामग्री, भारतीय इतिहास के पुनर्रचना में अभिलेखों का महत्व, अशोक के अभिलेख– द्वितीय एवं बारहवां शिलालेख ।
	English	Origin and Development of art of writing in India, writing materials, importance of inscriptions in the reconstructions of Indian history- Ashokan inscriptions- second and twelth rock edicts.
Unit- 2	हिन्दी	निम्न अभिलेखों का ऐतिहासिक महत्त्व–हेलियोडोरस का बेसनगर स्तंभलेख, रूद्रदामन का जूनागढ़, खारवेल का हाथीगुम्फा अभिलेख, समुद्रगुप्त की प्रयाग प्रशास्ति, यशोवर्मन और धंग का खजुराहों अभिलेख ।
	English	Historical importance of following inscriptions- Besnagar pillar inscription of heliodorous, Junagarh inscription of Rudradaman, Hathigumpha inscription of Kharvela, Allahabad pillar inscription of Samudragupta, Khajuraho inscription- Yashovarman and Dhang.
		भारत में मुद्रा उद्भव और विकास, वस्तु विनमय, बाजार प्रणाली

18.8.18

18.8.18

18.8.18
Prof. & H.O.D. History
G. Auto. College, Gwalior

Scanned with Oken Scanner

Unit- 3	हिन्दी	एवं मुद्रा की उत्पत्ति, आहत मुद्राएँ एवं उन पर अंकित प्रतीक, निर्माण की विधियाँ ढालुआ मुद्राएँ– निर्माण तकनीकि, जनपदीय एवं जनजातीय मुद्रायें– तक्षशिला, कौशाम्बी, मालव, यौधेय, पांचाल, उज्जयिनी, भारतीय इतिहास की पुनर्रचना में मुद्राओं का योगदान
	English	Origin and development of coinage in India, Barter system, origin of Market system, punchmarket coins and symbols of punchmarked coins, making technique, cast coin- making technique, Janpadeeya and Tribal coins- Taxila, Kaushambi, Malav, Youdheya, Panchal, Ujjaini, role of coins in the reconstruction of Indian history.
Unit- 4	हिन्दी	कुषाण मुद्राएँ–कनिष्क एवं हुविष्क, सातवाहन– गौतमीपुत्र सातकर्णी, गुप्तमुद्राएँ– चन्द्रगुप्त प्रथम, समुद्रगुप्त एवं चन्द्रगुप्त द्वितीय की मुद्राएँ।
	English	Kushana coins- Kanishka and Huviska, coins of satvahanas- Goutamiputra Shatkarni, Gupta coins- Chandragupta-I, Samudragupta, Chandragupta-II.
Unit- 5	हिन्दी	पूर्वमध्यकालीन मुद्राएँ, क्षेत्रीयता – कलचुरि, चंदेल एवं चाहमान राजवंश की विशिष्ट मुद्राएँ, पूर्वमध्यकालीन भारत में मुद्रओं की कमी।
	English	Early medival coins, regionalism, important coins of Kalchuri and Chandella and Chahmanas, Poucity of coins in early medival India.

Suggested Readings

1. के. डी. बाजपेयी – भारतीय अभिलेखशास्त्र एवं मुद्राशास्त्र के मूल तत्त्व
2– संतोष बाजपेयी – प्राचीन ऐतिहासिक अभिलेख
3– शिव स्वरूप सहाय – भारतीय पुरालेखों का अध्ययन
4– संतोष बाजपेयी – प्राचीन एतिहासिक सिक्के
6– परमेश्वरी लाल गुप्त – भारतीय पुराकालिक सिक्के
7– ओंकार नाथ सिंह – गुप्तोत्तर कालीन उत्तर भारतीय मुद्राएँ
8– राजवंत राव – प्राचीन भारतीय मुद्राएँ
9– जे.एन.एस.आई. वाराणसी में प्रकाशित लेख

18/8/18

18.8.18

18.08.18

Prof. & H.O.D. History
Govt. K.R.G. Auto. College, Gwalior

Scanned with Oken Scanner

(19)

Department of Higher Education, Govt. Of M.P. Under Graduate Syllabus
As recommended by Central Board of Studiese and approved by the Governor of M.P.
उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र.शासन केंद्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित

Session 2018-2019

- कक्षाः / Class: : बी. ए. द्वितीय वर्ष/ B.A 2nd Year
- विषयः/ Subject : प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व :Ancient Indian History Culture and Archaeology
- द्वितीय प्रश्न पत्र/ Tittle of 2nd Paper : मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक विरासत (स्थापत्य एवं शिल्प) : Cultural Heritage of Madhya Pradesh (Art and Architecture)
- अधिकतम् अंक/ Maximum marks : नियमित 42 ½ : स्वाध्यायी 50
- उद्देश्य/ Purpose : मध्यप्रदेश की धरोहर (विरासत) पर प्रकाश डालना Through light on the cultural heritage of Madhya Pradesh.
- अनिवार्य / Compulsary : Compulsary :

विवरण/Particulars

Unit		Syllabus
Unit- 1	हिन्दी	विरासत का अर्थ, परिभाषा, प्रकार एवं महत्त्व, मध्यप्रदेश की चित्र कला–भीमबेठका, बाघ, चतुर्भुजनाला (भानपुरा), गड्डी एवं हनुमना के शैलचित्र, पचमढ़ी के शैलचित्र,
	English	Meaning and definition of heritage, type of heritage and importance of heritage, Paintings of Madhya Pradesh-Bhimbetka, Bagh, Chaturbhujnala (Bhanpura). rockpaintings of Gaddi and Hanumana, Rock-Paintings Pachmari.
Unit- 2	हिन्दी	शैलोत्कीर्ण स्थापत्य – बाघ की स्थापत्य कला, उदयगिरि (विदिशा), ग्वालियर, धमनार, पोलाडोंगर, कोलवी, माडा (सिंगरौली) का गुहा स्थापत्य
	English	Rockcut architecture- Architecture of Bagh Caves, Udaigiri (Vidisha), Gwalior, Dhamnar, Poladongar, Kolhvi and cave architecture of Mada (singrauli).
Unit- 3	हिन्दी	मध्यप्रदेश के प्रमुख स्थापत्य, स्तूप –वैश्यटैकरी महास्तूप(उज्जैन), भरहुत एवं साँची, देउरकोटार, मानपुर का बेलनाकार स्तूप, मंदिर स्थापत्य–उद्भव एवं विकास, प्रारम्भिक मंदिर, साँची–17 स्थापत्य, तिंगवा, भूमरा का शिव मंदिर, नचना का पार्वती मंदिर, बेला का बैजनाथ मंदिर, मध्यप्रदेश के समीपवर्ती– देवगढ़ का दशावतार मंदिर।

18.8.18

18.08.18
& H.O.D. History
College, Gwalior

Scanned with Oken Scanner

	English	Important architecture of Madhya Pradesh, Stupa- Mahastupa of Vaishya Tekri (Ujjain), Bharhuta, Sanchi, Deurkothar, Cilindrical types stupa of Manpur (Umaria), Temple architecture- origin and development, early temples- Sanchi no.17, Temples of Tigwa, Shiv temples of Bhumra, Parvati temple of Nachana, Baijnath temple of Bela, Dashavtar temples of Deogarh (Adjoining of Madhya Pradesh).
Unit- 4	**हिन्दी**	प्रतिहार स्थापत्य– तेली का मंदिर (ग्वालियर), कलचुरि स्थापत्य– चन्देह (सीधी) का शिव मंदिर एवं सोहागपुर का विराटेश्वर मंदिर, चंदेल स्थापत्य– खजुराहों का कंदरिया महादेव मंदिर तथा लक्ष्मण मंदिर, परमार स्थापत्य– उदयेश्वर का नीलकंठेश्वर मंदिर।
	English	Pratihar architecture- Teli ka temple of Gwalior, Kalchuri architecture- Shiv temple of Chandreh (Sidhi), Virateshwar temple of Sohagpur. Chandela architecture- Kandaria Mahadev temple and Lakshaman temple of Khajuraho, Parmar architecture- Neelkantheshwar temple of Udaishwar,
Unit- 5	**हिन्दी**	मध्यप्रदेश का मूर्तिशिल्प– भरहुत एवं साँची के मूर्तिशिल्प में जीवन दृश्य, गुप्तकालीन मूर्तिकला– विशेषताएँ एवं महत्व, प्रतिहारकालीन मूर्तिकला की प्रमुख विशेषताएँ, कलचुरि मूर्तिकला का क्रमिक विकास एवं लक्षण, चंदेल मूर्तिकला की प्रमुख विशेषताएँ, परमार मूर्तिकला की प्रमुख विशेषताएँ
	English	Sculptures of Madhya Pradesh- Life scene in the art of Bharhut and Sanchi, Gupta sculptures- importance and salient features, Chief characteristics of Pratihar sculptures. Characteristics and salient features of Kalchuri sculptures. Chief characteristics of Chandella sculpture. Chief characteristics of Parmar sculpture.

Suggested Readings

1. वी. एस. अग्रवाल – भारतीय कला
2– शिव स्वरूप सहाय – भारतीय कला
3– जय नारायण पाण्डे – भारतीय कला
4– के. डी. बाजपेयी – भारतीय कला
5- V.S. Agrawal - Indian Art
6- Susan Huntington - Art of Ancient India
7- Percy Brown - Indian Architecture
8- Rajkumar Sharma – म0 प्र0 का प्राचीन इतिहास भाग 1
9- Rahman ali - Art & architeture of the kalchuri
9- C.D Singh - Dimension of indian ethos and management
9- Ram Kumar Ahirwar - त्रिपुरी की मूर्तिकला
10- Maruti Nandan Tiwari - मध्यकालीन प्रतिमा लक्षण
11 A.K. Singh - Temples Of Kalchuri Period
12 Sudhir Trivedi - मध्य भारत की प्रतिहार कलॉ एवं स्थापत्य
13 Ramkumar Ahirwar - बौद्ध धर्म का इतिहास

18/8/18

18.8.18

18.08.18

Prof. & H.O.D. History
Govt. K.R.G. Auto. College, Gwalior

Scanned with Oken Scanner

उच्च शिक्षा विभाग, म0प्र0 शासन

स्नातक कक्षाओं के लिये सेमेस्टर अनुशार पाठ्यक्रम

केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित

Session 2018-19

Class/कक्षा	: B.A. II Year / बी.ए. द्वितीय वर्ष
Paper/ प्रश्न पत्र	: I /प्रथम
Subject/विषय	: History/इतिहास
Title Of Subject Group/	: Histroy of India (1200 to 1739 A.D.)
विषय समूह का शीर्षक	: भारत का इतिहास – (1200 से 1739 ई. तक)
Max.Marks/ अधिकतम अंक	: 42½ Regular /50 Private

Perticular/विवरण

Unit		Syllabus	Periods
Unit I	(English)	Sources of medieval Indian history. Foundation and consolidation of the Delhi sultanate - Qutubuddin Aibak and Iltutmish, Razia and Balban. Alauddin Khilji, his conquests and reforms. The Mongol invasion.	18
	(हिन्दी)	मध्यकालीन भारतीय इतिहास के स्त्रोत। दिल्ली सल्तनत की स्थापना एवं सुदृढ़ीकरण – कुतुबुद्दीन ऐबक, इल्तुतमिश रजिया सुल्तान, बलबन। अलाउद्दीन खिलजी की विजय एवं सुधार। मंगोल आक्रमण।	
Unit II	(English)	Mohammad bin Tughluq and Firozshah Tughluq. Disintegration of Delhi Sultanat. Vijaynagar and Bahamani kingdoms. Timurs invasion and its impact. Invasion of the mughals, Babur, Humayun and Sher shah suri. Role of Rana Kumbha and Rana Sanga in Indian history.	18
	(हिन्दी)	मोहम्मद बिन तुगलक और फिरोजशाह तुगलक। दिल्ली सल्तलत का विकेन्द्रीकरण, विजयनगर एवं बहमनी साम्राज्य। तैमूर आक्रमण और उसका प्रभाव। मुगल आक्रमण– बाबर, हुमायूँ और शेरशाह सूरी। भारतीय इतिहास में राणा कुम्भा और राणा सांगा की भूमिका।	
Unit III	(English)	Akbar – Consolidation and territorial expansion of the Mughal empire, his religious and Rajput Policy. Jahangir, Shahjahan, Mughal-Sikh relations. Rise of Marathas, Shivaji-His conquests and administration. Aaurangzeb and the decline of the Mughal empire, Nadir Shah's invasion and its impact.	18
	(हिन्दी)	अकबर–मुगल साम्राज्य सुदृढ़ीकरण एवं विस्तार–उसकी धार्मिक एवं राजपूत नीति। जहाँगीर और शाहजहाँ, मुगल– सिक्ख संबंध। मराठों का उत्कर्ष, शिवाजी की विजय एवं उनका प्रशासन। औरंगजेब और मुगल साम्राज्य का पतन, नादिशाह का आकमण एवं उसके प्रभाव।	
Unit IV	(English)	Socio-Religious life during the Sultanat period, Bhakti and sufi movenets. The sant tradition in; Indian. Sultanat period- Agriculture Industry, Trade, Economic and Administrative system.	18

Prof. & H.O.D. History
K.R.G. Auto. College, Gwalior

	(हिन्दी)	सल्तनतकालीन सामाजिक व धार्मिक जीवन–भक्ति एवं सूफी आन्दोलन। भारत में संत परंपरा। सल्तनत काल–कृषि, उद्योग व्यापार, आर्थिक और प्रशासनिक व्यवस्था।	
Unit V	(English)	Mughal administration, Mansabdari System, Social and religious life, Status of women. Economic life, Agriculture, Trade, Commerce and Architecture during Mughal piriod Role of Rani Durgawati, Jijabai and Chandbibi in history.	18
	(हिन्दी)	मुगल प्रशासन, मनसबदारी व्यवस्था, सामाजिक एवं धार्मिक जीवन, स्त्रियों की स्थिति, मुगल काल में आर्थिक जीवन, कृषि, व्यापार, वाणिज्य एवं स्थापत्य कला। इतिहास में रानी दुर्गावती, जीजाबाई एवं चाँदबीबी की भूमिका।	

Recommendation Books	(हिन्दी)	• डॉ. आशीर्वादी लाल श्रीवास्तव– सल्तनतकालीन भारत • डॉ. आशीर्वादी लाल श्रीवास्तव– मध्यकालीन भारत का इतिहास • इब्ने हसन मुगल– मुगल साम्राज्य का ढाँचा • डॉ. किशोरी शरण लाल– खिलजीवंश • डॉ. ऐ.वी. पाण्डेय– मध्यकालीन भारत का इतिहास • डॉ. एल.पी. शर्मा – मुगलकालीन भारत • डॉ. राधेशरण – मध्यकालीन भारतीय समाज एवं संस्कृति • आर.पी. त्रिपाठी – मुगल साम्राज्य का उत्थान एवं पतन • डॉ. सतीश चंद्र – मध्यकालीन भारत में इतिहास लेखन, धर्म और राज्य का स्वरूप। • डॉ. राधेशरण – मध्यकालीन भारत का इतिहास • हरीशचंद्र वर्मा – मध्यकालीन भारत भाग–1 एवं 2 • सर जादूनाथ सरकार की–मराठों का इतिहास • Sir Jadunath Sarkar-History of Marathas.

18/8/18

18.8.18

18.08.18

Prof. & H.O.D. History
Govt. K.R.G. Auto. College, Gwalior

Scanned with Oken Scanner

उच्च शिक्षा विभाग, म0प्र0 शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये सेमेस्टर अनुशार पाठ्यक्रम
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित

Session 2018-19

Class/कक्षा : B.A. II Year / बी.ए. द्वितीय वर्ष
Paper/ प्रश्न पत्र : II /द्वितीय
Subject/विषय : History/इतिहास
Title Of Subject Group/ : MAIN CURRENTS OF WORLD HISTORY FROM 1871 TO 1945 A.D.
विषय समूह का शीर्षक : विश्व इतिहास की प्रमुख धाराएं 1871 से 1945 तक
Max.Marks/ अधिकतम अंक : 42½ Regular /50 Private

Perticular/विवरण

Objective - Imperialism and colonialism were caused as a bye product of nationalism and industrial revolution in Europe. This laid basis for a well defined capitalism. Idcological clashes between nations resulted in the two world wars. In this period Russian Revolution as well as anti imperial and colonial struggle took place. A good understanding of all the above phenomenon has to be made.

उद्देश्य-- यूरोप में राष्ट्रवाद तथा औद्योगिक क्रांति के परिणाम साम्राज्यवाद तथा उपनिवेशवाद के रूप में सामने आये। उपरोक्त के कारण स्पष्ट परिभाषित पूँजीवाद का प्रादूर्भाव हुआ। राष्ट्रों के वैचारिक मतभेदों के कारण दो विश्व युद्व हुए। इस विवेच्य काल में रूसी क्रांति हुई तथा साम्राज्यवाद और उपनिवेशवाद के विरूद्व संघर्ष भी हुआ। अध्ययन के उपरोक्त सभी घटनाओं की अच्छी समझ अपेक्षित है।

Unit		Syllabus	Periods
Unit I	(English)	Third Republic of France, Kaiser William I, Domestic and foreign policy of Bismarck. Kaiser William II,	18
	(हिन्दी)	फ्राँस का तृतीय गणतंत्र। केसर विलियम प्रथम, बिस्मार्क की गृह एवं विदेश नीति। केसर विलियम द्वितीय।	
Unit II	(English)	Africa and Turkey-Scramble for Africa Eastern Question, Russo-Turkey war, Berlin Congress (1878), Young Turk Movement and the Balkan wars I and II, Russian Revolution of 1905.	
	(हिन्दी)	अफ्रीका एवं तुर्की–अफ्रीका का विभाजन, पूर्वी समस्या, रूस–तुर्की युद्ध, बर्लिन कांग्रेस (1878), यूवा तुर्क आंदोलन, बाल्कन युद्व प्रथम एवं द्वितीय 1905 की रूस की क्रांति।	18
Unit III	(English)	Europe– First World war- Causes, results and Effects, Russian revolution 1917, Wilson's fourteen principles, Paris Peace Conference, Treaty of Versailles, League of Nations.	
	(हिन्दी)	यूरोप–प्रथम विश्व युद्ध–कारण, परिणाम एवं प्रभाव। 1917 की रूस	

18.8.18

18.08.18
Prof. & H.O.D. History
Govt. K.R.G. Auto. College, Gwalior

		की क्रांति। विल्सन के चौदह सूत्र, पेरिस का शांति सम्मेलन एवं वर्साय की संधि, राष्ट्र संघ।	
Unit IV	(English)	China and Japan Imperialism and colonialism in China and Japan, First and Second Opium wars, Taiping Rebellion, Boxer movement. Chinese Rovolution-1911. Demands for concessions in China, Japan–the Meiji Restoration, Modernization of Japan, Rise of Militarism, Russo-Japanese war (1905), China- Japanese war 1937.	18
	(हिन्दी)	चीन और जापान – चीन और जापान में उपनिवेशवाद और साम्राज्यवाद। प्रथम व द्वितीय अफीम युद्ध, ताईपिंग विद्रोह, बॉक्सर विद्रोह, चीनी क्रांति 1911, जापान में मेइजी पुर्नस्थापना, आधुनिकीकरण, सैन्यवाद का उदय, चीन–जापान युद्ध 1894, रूस–जापान युद्ध 1905, चीन–जापान युद्ध 1937।	
Unit V	(English)	Fascism in Italy, Mussolini's Internal and Foreign policy. Nazism and Germany, Internal and Foreign policy of Hitler; Causes, results and effects of the world war II	18
	(हिन्दी)	इटली में फॉसीवाद, मुसोलिनी की गृह एवं विदेश नीति जर्मनी में नाजीवाद, हिटलर की गृह एवं विदेश नीति, द्वितीय विश्वयुद्ध–कारण, परिणाम एवं प्रभाव।	

Recommendation Books	(हिन्दी)	• जैन एवं माथुर – विश्व का इतिहास • सी.डी. हेजन – यूरोप का इतिहास • ग्रान्ट एवं टेम्परले – यूरोप का इतिहास • दीनानाथ वर्मा – यूरोप का इतिहास • भटनागर एवं गुप्त – अर्वाचीन यूरोप का इतिहास • डॉ. विमल चंद्र पाण्डेय – यूरोप का इतिहास • डॉ. मनाजिर अहमद – युरोप का इतिहास • बालकृष्ण पंजाबी – फ्रांस की क्रांति • डॉ. भगवान सिंह वर्मा – विश्व इतिहास • मथुरालाल शर्मा – यूरोप का इतिहास भाग 1–2 • पार्थसारथी एवं गुप्ता – यूरोप का इतिहास • देवेन्द्र सिंह चौहान – यूरोप का इतिहास • सी,डी,एम कैटल्बी – आधुनिक यूरोप • बी. एन. मेहता – यूरोप का इतिहास

18.8.18

18.08.18

Prof. & H.O.D. History
Govt. K.R.G. Auto. College, Gwalior

Scanned with Oken Scanner

2-5

शासकीय कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)
उच्च शिक्षा विभाग म.प्र. शासन
स्नातक स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अन्तर्गत एकल प्रश्न पत्र प्रणाली अनुसार पाठयक्रम
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र. के महामहिम राज्यपाल द्वारा अनुमोदित
सत्र 2017 – 18 से प्रभावशील

Department of Higher Education, Govt. of M.P.
Single Paper Pattern Syllabus for U.G. Classes Under Semester System
As recommended by Central Board of Studies and approved by the Governor of M.P.
Effective from Session 2017 -18

Class/कक्षा	: **B.A.**
Semester/सेमेस्टर	: पंचम
Subject /विषय	: इतिहास
Title of subject Group/	: **History of India – 1740 – 1857 A.D.**
विषय समूह का शीर्षक	: भारत का इतिहास 1740 – 1857 ई. तक
Max. Marks / अधिकतम अंक	: **100**

Particulars/ विवरण

Objective- After the disintegration of Mughal empire India became a battleground for supremacy of powers. The rise of British power in India was the result of the forces of disunity, which were at play in India. The success at the Mysore and Maratha wars placed the British administration in supreme position. The socio-religious movement started by Raja Rammohan Roy and Lord William Bentinck brought about revolutionary changes in the Indian society. The British administered the country for their material and commercial interests. However the colonial policies led to the revolt of 1857.

उद्देश्यः– मुगल साम्राज्य के पतन के पश्चात् भारत विभिन्न शक्तियों के संघर्ष का केन्द्र बन गया। भारत में विघटनकारी शक्तियों की गतिविधियों का लाभ उठाकर अंग्रेजों ने अपनी सत्ता स्थापित कर ली। मैसूर तथा मराठा युद्धों में अंग्रेजों की विजयों ने उन्हें शाक्तिशाली बना दिया। राजा राम मोहन राय के नेतृत्व में सामाजिक–धार्मिक आंदोलनों तथा लार्ड–विलियम बैंटिंक के सुधारों ने भारतीय समाज में व्यापक परिवर्तन किए। ब्रिटिश प्रशासकों ने भारत में अपने आर्थिक हितों के अनुरूप शासन किया।
उपनिवेशवादी नीतियों के परिणाम स्वरूप 1857 का विद्रोह हुआ।

18.08.18
18.08.18
18.08.18
Prof. & H.O.D. History
K.R.G. Auto. College, Gwalior

Scanned with Oken Scanner

26

Unit		Syllabus	Periods
Unit I	(English)	Advent of Europeans, Political trends in the mid 18th century, Anglo-French conflict in Karnataka, Third Battle of Panipat, Establishment of East India Company's rule in India- Battles of Plassey and Buxar, Diwani of Bengal, Bihar and Orissa, Dual government.	6hrs
	(हिन्दी)	यूरोपियनों का आगमन, 18वीं शताब्दी में मध्य में राजनीतिक प्रवृत्तियां, कर्नाटक में आंग्ल–फ्रांसीसी संघर्ष, पानीपत का तृतीय युद्ध। भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी की सत्ता की स्थापना–प्लासी और बक्सर का युद्ध। बंगाल–बिहार–उड़ीसा की दीवानी, द्वैध शासन।	
Unit II	(English)	Growth of colonial administration- Warren Hastings and Lord Cornwallis, Regulating Act, Pitt's India Act, Anglo-Maratha relations, Anglo-Mysore relations, Wellesley and the Subsidiary alliance Policies.	6hrs
	(हिन्दी)	औपनिवेशिक प्रशासन का विकास, वारने –हेस्टिंग्ज तथा लार्ड कार्नवालिस, रेग्युलेटिंग एक्ट, पिट्स इंडिया एक्ट, आग्ल–मराठा संबंध, आंग्ल मैसूर संबंध, लार्ड वेलेजली और सहायक संधियां।	
Unit III	(English)	Maharaja Ranjeet Singh and Anglo-Sikh relations. Lord Hastings and British Paramountcy, downfall of Marahtas, Anglo- Burmese Relations, Anglo-Afghan relations, Lord Dalhousie and the Doctrine of Lapse, Revolt of 1857-causes, nature and results.	6hrs
		महाराजा रणजीत सिंह तथा आंग्ल–सिख संबंध, लार्ड हेस्टिंगज तथा ब्रिटिश प्रभुसत्ता की स्थापना। मराठों का पतन। आंग्ल–बर्मा	

18.08.18

Prof. & H.O.D. History
K.R.G. Auto. College, Gwalior

Scanned with Oken Scanner

	(हिन्दी)	संबंध, आंग्ल–अफगान संबंध। लार्ड डलहौजी की हड़प नीति। 1857 का विद्रोह – स्वरूप कारण और परिणाम।	
Unit IV	(English)	Indian Renaissance, Socio-Religious movements. Raja Rammohan Roy and Brahma Samaj. Lord William Bentinck. Status of women, growth of western education. Modernization of India.	6hrs
	(हिन्दी)	भारतीय पुनर्जागरण, सामाजिक – धार्मिक आंदोलन, राजा राममोहन राय तथा ब्रह्म समाज, लार्ड विलियम बैटिंक , महिलाओं की स्थिति, पश्चिमी शिक्षा का विकास, भारत का आधुनिकीकरण।	
Unit V	(English)	British Land Revenue Settlement – Permanent Settlement, Ryatwari and Mahalwari conditions of Peasants. Rural indebtedness. Commercialization of agriculture, drain of wealth. Decline of cottage industries and de-industrialization.	6hrs
	(हिन्दी)	ब्रिटिश भू– राजस्व नीति– स्थायी बंदोबस्त, रैयतवारी तथा महालवारी, कृषकों की स्थिति। ग्रामीण ऋणग्रस्तता, कृषि का वाणिज्यीकरण, धन का उत्सर्ग, कुटीर उद्योगों का विनाश, अनौद्योगीकरण।	

Recommendation of Books	**(हिन्दी)**	• शुक्ला रामलखन – आधुनिक भारत का इतिहास • रविन्द्र कुमार – आधुनिक भारत का इतिहास • ग्रोबर, यशपाल, अलका मेहता – आधुनिक भारत का इतिहास • सुशोमन सरकार – बंगाल का नव जागरण • डॉ. गिरीश मिश्र – आधुनिक भारत का आर्थिक इतिहास • डॉ. विपिन चंद्र – भारत का स्वतंत्रता संघर्ष • डॉ विपिन चंद्र – आधुनिक भारत • डॉ. सुमित सरकार – बंगाल में स्वदेशी आंदोलन • अयोध्या सिंह – भारत का मुक्ति संग्राम • गिरीश मिश्र – आधुनिक भारत का इतिहास • डॉ. दीनानाथ वर्मा – आधुनिक भारत का इतिहास • डॉ. हीरालाल शुक्ल – स्वतंत्रता संग्राम और पत्रकारिता • डॉ. डी.पी. मिश्र – मध्यप्रदेश में स्वाधीनता आंदोलन का

18.8.18

18.8.18

18.08.18

Prof. & H.O.D. History
Govt. Auto. College, Gwalior

Scanned with Oken Scanner

		इतिहास • शालिनी सक्सेना – स्वाधीनता आंदोलन में मध्यप्रांत की महिलायें • डॉ. लूणिया – मध्यप्रदेश में विद्रोह • डॉ. बी.एम. दिवाकर – भारत का इतिहास भाग–1, 2 एवं 3 • पी. ई राबर्ट्स – ब्रिटिश कालीन भारत • पं. सुन्दर लाल – भारत में अंग्रेजी राज • श्रीनेत्र पाण्डेय – भारत का इतिहास, भाग–1, 2 एवं 3 • रजनी पामदत्त – आज का भारत

18/8/18

18.8.18

18-08-18

Prof. & H.O.D. History
Govt. K.R.G. Auto. College, Gwalior

Scanned with Oken Scanner

भासकीय कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्व□ासी महाविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)
उच्च □िक्षा विभाग म.प्र. शासन
स्नातक स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अन्तर्गत एकल प्रश्न पत्र प्रणाली अनुसार पाठ्यक्रम
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र. के महामहिम राज्यपाल द्वारा अनुमोदित
सत्र 2017 – 18 से प्रभावशील

Department of Higher Education, Govt. of M.P.
Single Paper Pattern Syllabus for U.G. Classes Under Semester System
As recommended by Central Board of Studies and approved by the Governor of M.P.
Effective from Session 2017 -18

Class/कक्षा	: **B.A.**
Semester/सेमेस्टर	: षष्ठम
Subject /विषय	: इतिहास
Title of subject Group/	: **History of India from 1858 to 1950 A.D. (With Special Reference to National Movement)**
विषय समूह का शीर्षक	: भारत का इतिहास सन् 1858 से 1950 ई तक (राष्ट्रीय आंदोलन के विशष संदर्भ में.)
Max. Marks / अधिकतम अंक	: **100**

Particulars/ विवरण

Objective- The revolt of 1857 brought down the curtains of company's rule in India. However, the spirit of nationalism influenced the masses to display their solidarity against imperialism and embarking on the path of freedom struggle.The peasant movements , industrialization process and the development of education during British rule have to be studied in the right perspective. The legislative measures taken by the British government have to be studied with the backdrop of the Indian national movement. The contemporary socio-economic conditions prevalent in the country have to be taken into account while studying this crucial aspect of national movement. This ultimately resulted in the independence of our country and consequent adoption of our Republican constitution on 26 January,1950.

18.08.18

Prof. & H.O.D. History
K.R.G. Auto. College, Gwalior

Scanned with Oken Scanner

उद्देश्य:— 1857 के विप्लव ने भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन का अंत कर दिया। राष्ट्रवादी भावनाओं से प्रभावित होकर भारतीय जनमानस ने साम्राज्यवाद के विरुद्ध स्वाधीनता आंदोलन में भाग लेना प्रारंभ किया । ब्रिटिश शासन के दौरान श्रमिक एवं कृषक आंदोलनों, औद्योगीकरण, शिक्षा के विकास आदि का वैज्ञानिक ढंग से अध्ययन होना चाहिए। ब्रिटिश सरकार द्वारा किये गये विद्यार्थी सुधारों का अध्ययन, भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन के परिप्रेक्ष्य में किया जाना चाहिए। जिससे तत्कालीन, सामाजिक एवं आर्थिक स्थितियों से विद्यार्थी सही अर्थो से परिचित हो सकें। देश 1947 में स्वतंत्र हुआ और 26 जनवरी 1950 को भारत का संविधान लागू किया गया।

Unit		Syllabus	Periods
Unit I	(English)	Queen Victoria's Proclamation, Act of 1858, Indian Council Act 1861, Internal Administration of Lord Lytton and Ripon, political associations and the Indian National Congress, Indian Council Act of 1892.	6hrs
	(हिन्दी)	महारानी विक्टोरिया का घोषणा पत्र, 1858 का अधिनियम, 1861 का भारतीय कौंसिल अधिनियम, लार्ड लिटन तथा लार्ड रिपन का आन्तरिक प्रशासन । राजनैतिक संगठन तथा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, 1892 का भारतीय कौंसिल अधिनियम।	
Unit II	(English)	Lord Curzon and the partition of Bengal, Swadeshi movement, moderates, extremists and revolutionaries. Government of India Act 1909. Home Rule movement, peasant and tribal movements, Lucknow Pact, Rowlat Axt, Jallianwalan Bagh massacre, Government of India Act 1919 and Dyarchy.	6hrs
	(हिन्दी)	लार्ड कर्जन तथा बंगाल का विभाजन, स्वदेशी आंदोलन, उदारवादी, उग्रवादी तथा क्रांतिकारी, 1909 का अधिनियम, कृषक तथा आदिवासी आंदोलन, लखनऊ समझौता, रौलेट एक्ट, जलियंवाला बाग हत्याकांड , सन् 1919 का भारत का सरकार अधिनियम तथा द्वैध शासन।	
		Gandhian Era, Khilafat and Non Cooperation Movement. Swarajists, Simon Commission, Lahore	

18.8.18 18.8.18 18.8.18 Chemistry 18.08.18
Prof. & H.O.D. History
Govt. K.R.G. Auto. College, Gwalior

Scanned with Oken Scanner

Unit III	**(English)**	Congress. Civil Disobedience movement, Round Table Conferences. Government of India Act 1935 and Provincial Autonomy, Quit India Movement.	6hrs
	(हिन्दी)	गाँधी युग– खिलाफत तथा असहयोग आंदोलन, स्वराज्य दल, साईमन कमीशन, लाहौर कांग्रेस, सविनय अवज्ञा आंदोलन, गोलमेज सम्मेलन 1935 का भारत सरकार अधिनियम तथा प्रांतीय स्वायत्तता, भारत छोड़ो आंदोलन।	
Unit IV	**(English)**	Cripps Mission. Shimla Conference. Cabinet Mission. Subhas Chandra Bose and the INA, Communal Politics and the Partition of India, Indian Independence Act 1947. Integration of Indian Princely States. Main features of the Indian Constitution.	6hrs
	(हिन्दी)	क्रिप्स मिशन, शिमला सम्मेंलत, केबिनटे मिशन, सुभाष चंद्र बोस एवं आजाद हिन्द फौज , साम्प्रदायिक राजनीति एवं भारत का विभाजन, भारतीय स्वाधीनता अधिनियम 1947, रियासतों का विलीनीकरण, भारतीय संविधान की प्रमुख विशेषाताएँ।	
Unit V	**(English)**	Indian agriculture, British famine policy, nature of colonial economy, British Fiscal Policy and India's economic exploitation, rise of modern industry, expansion of trade and Commerce, Socio- religious movements- Satya Shodhak Samaj, Arya Samaj, Ramkrishna Mission, Theosophical Society, Muslim reform movements, Upliftment of women, development of education, growth of Indian Press.	6hrs
	(हिन्दी)	भारतीय कृषि– ब्रिटिश अकालनीति , उपनिवेशवादी, अर्थव्यवस्था का स्वरूप, ब्रिटिश अर्थनीति और भारत का आर्थिक शोषण, आधुनिक उद्योंगो का उदय, व्यापार तथा वाणिज्य का विस्तार, सामाजिक धार्मिक आंदोलन– सत्य शोधक समाज, आर्य समाज, राम कृष्ण मिशन, थियोसॉफिकल सोसायटि, मुस्लिम सुधार आंदोलन, महिलाओं का उत्थान, शिक्षा का विकास, भारतीय प्रेस का विकास।	

Prof. & H.O.D. History
Auto. College, Gwalior

Scanned with Oken Scanner

Recommendation of Books	(हिन्दी)	• शुक्ला रामलखन – आधुनिक भारत का इतिहास • रविन्द्र कुमार – आधुनिक भारत का इतिहास • ग्रोबर, यशपाल, अलका मेहता – आधुनिक भारत का इतिहास • सुशोमन सरकार – बंगाल का नव जागरण • डॉ. गिरीश मिश्र – आधुनिक भारत का आर्थिक इतिहास • डॉ. विपिन चंद्र – भारत का स्वतत्रंता संघर्ष • डॉ विपिन चंद्र – आधुनिक भारत • डॉ. सुमित सरकार – बंगाल में स्वदेशी आंदोलन • अयोध्या सिंह – भारत का मुक्ति संग्राम • गिरीश मिश्र – आधुनिक भारत का इतिहास • डॉ. दीनानाथ वर्मा – आधुनिक भारत का इतिहास • डॉ. हीरालाल शुक्ल – स्वतंत्रता संग्राम और पत्रकारिता • डॉ. डी.पी. मिश्र – मध्यप्रदेश में स्वाधीनता आंदोलन का इतिहास • शालिनी सक्सेना – स्वाधीनता ओदोलन में मध्यप्रांत की महिलायें • डॉ. लूणिया – मध्यप्रदेश में विद्रोह • डॉ. बी.एम. दिवाकर – भारत का इतिहास भाग – 1, 2 एवं 3 • पी. ई राबर्ट्स – ब्रिटिश कालीन भारत • पं. सुन्दर लाल – भारत में अंग्रेजी राज • श्रीनेत्र पाण्डेय – भारत का इतिहास, भाग–1, 2 एव 3 • रजनी पामदत्त – आज का भारत

18.8.18

18.8.18

18.08.18

Prof. & H.O.D. History
Govt. K.R.G. Auto. College, Gwalior

भाासकीय कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्व□ाासी महाविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)
उच्च □िक्षा विभाग म.प्र. शासन

स्नातक स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अन्तर्गत एकल प्रश्न पत्र प्रणाली अनुसार पाठयक्रम
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र. के महामहिम राज्यपाल द्वारा अनुमोदित
सत्र 2017 – 18 से प्रभावशील

Department of Higher Education, Govt. of M.P.
Single Paper Pattern Syllabus for U.G. Classes Under Semester System
As recommended by Central Board of Studies and approved by the Governor of M.P.
Effective from Session 2017 -18

परियोजना कार्य

अंक 100

परियोजना कार्य VIth सेमेस्टर के प्रत्येक विद्यार्थी द्वारा किया जाना अनिवार्य है।

परियोजना कार्य विद्यार्थी को अपने चुने हुए विषयों में से किसी एक विषय पर लेना होगा। परियोजना कार्य का मूल्यांकन आंतरिक एवं बाह्य परीक्षकों द्वारा होगा। जिसमें 50 अंक आंतरिक मूल्यांकन एवं 50 अंक बाह्य मूल्यांकन हेतु होंगे। परियोजना लेखन स्वहस्तलेख में 10–15 पेज का होगा। परियोजना कार्य 60 मानव घण्टे अथवा 15 दिन के अन्दर पूर्ण करना होगा। परियोजना लेखन को रोजगारोंन्मुखी बनाने का लक्ष्य अभिलक्षित है। सुझाव स्वरूप परियोजना के कुछ बिन्दु निम्नानुसार है।

विषय

समीपस्थ ऐतिहासिक स्थल का अध्ययन/ अपने क्षेत्रीय इतिहास का महत्व / समीपस्थ संग्रहालय का सिंहावलोकन /अभिलेखागार/ ऐतिहासिक/प्रागैतिहासिक/धार्मिक स्थल का अध्ययन पर्यटन को प्रोत्साहित करने विषयक आदिवासी / जनजातीय संस्कृति, जीवन शैली एवं स्थानीय लोक कलाओं आदि का अध्ययन

Project Work : 100 Marks

The Project work is compulsory for every student of VIth semester

The student has to write Project Work on any one of the subjects offered by him.

The evaluation of the project work will be done by both internal and external examiners. Internal valuation will be of 50 marks external valuation will be of 50 marks.

18.8.18

18.8.18

18.08.18
Prof. & H.O.D. History
K.R.G. Auto. College, Gwalior

The Project work should be hand written by the candidate in about 10-15 pages. Project work should be completed either within 60 human hours or in 15 days.

It is desired that the project should be career oriented, hence the tentative areas suggested are:

A study of nearest historical places. Importance of Regional History. Visit to Nearest Museums / Archives A study of Prehistoric. Historic, Religious places, related to tourism, Tribal culture - way of life (Ethnographical study) Local Folk Traditions / Art etc.

18/8/18

18.8.18

18.8.

18.08.18

Prof. & H.O.D. History
Govt. K.R.G. Auto. College, Gwalior

शासकीय कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वा□ासी महाविद्यालय, ग्वालियर अध्ययन मण्डल द्वारा मान्य

सन् 2018–19

एम.ए. इतिहास

एम.ए. द्विवर्षीय पाठ्यक्रम (चार सेमेस्टर) योजना

प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर

सेमेस्टर	प्रश्न पत्र	शीर्षक	अंक विभाजन
प्रथम	अनिवार्य	1. प्रथम प्रश्न–पत्र : इतिहास लेखन की अवधारणा	85+15=100
		2. द्वितीय प्रश्न–पत्र : 18वीं सदी का विश्व	85+15=100
		3. तृतीय प्रश्न पत्र : मध्यकालीन भारत का राजनैतिक इतिहास– (1191 से 1320 ई.सन्)	85+15=100
	ऐच्छिक	4. चतुर्थ प्रश्न पत्र : भारतीय इतिहास में नारी अथवा ग्वालियर क्षेत्र का इतिहास (प्रारम्भ से 1950 ई.सन्)	85+15=100
द्वितीय	अनिवार्य	1. प्रथम प्रश्न पत्र : इतिहास लेखन की अवधारणा	85+15=100
		2. द्वितीय प्रश्न पत्र : 19वीं सदी का विश्व	85+15=100
		3. तृतीय प्रश्न–पत्र : भारत का राजनैतिक इतिहास– मध्यकालीन भारत का राजनैतिक इतिहास (1320 से 1526 ई. सन्)	85+15=100
	ऐच्छिक	4. चतुर्थ प्रश्न पत्र : ग्वालियर क्षेत्र का इतिहास (प्रारंभ से 1950 ई.सन्) अथवा मराठों का इतिहास (1627 से 1761 ई.सन्.)	85+15=100

18.8.18 18.8.18 18.8.18

Prof. & H.O.D. History
K.R.G. Auto. College, Gwalior

Scanned with Oken Scanner

सेमेस्टर	प्रश्न पत्र	शीर्षक	अंक विभाजन
तृतीय	अनिवार्य	1. प्रथम प्रश्न पत्र : 20वीं सदी का विश्व (1900 से 1945 ई.सन्)	85+15=100
		2. द्वितीय प्रश्न पत्र : भारत का राजनैतिक इतिहास– मध्यकालीन भारत का राजनैतिक इतिहास (1526 से 1605 ई. सन्)	85+15=100
		3. तृतीय प्रश्न–पत्र : मध्यकालीन भारत का सांस्कृतिक इतिहास (1190 से 1526 ई.सन्)	85+15=100
	ऐच्छिक	4. चतुर्थ प्रश्न पत्र : ग्वालियर क्षेत्र का इतिहास (प्रारम्भ से 1950 ई.) अथवा भारतीय इतिहास में नारी	85+15=100
चतुर्थ	अनिवार्य	1. प्रथम प्रश्न–पत्र : 20वीं सदी का विश्व (1939 से 1990 ई.सन्)	85+15=100
		2. द्वितीय प्रश्न पत्र : भारत का राजनैतिक इतिहास– मध्यकालीन भारत का राजनीतिक इतिहास (1605 से 1740 ई. सन्)	85+15=100
		3. तृतीय प्रश्न–पत्र : मध्यकालीन भारत का सांस्कृतिक इतिहास (1526 से 1740 ई.सन्)	85+15=100
	ऐच्छिक	4. चतुर्थ प्रश्न–पत्र : लघु शोध प्रबन्ध अथवा ऐतिहासिक स्थलों का सर्वेक्षण करने के पश्चात् प्रतिवेदन प्रस्तुति अथवा निबन्ध (समस्त प्रश्नपत्रों में से कम से कम 2-2 प्रश्न हैं "जिसमें से किसी भी एक विषय पर निबन्ध लिखना होगा" नोट: निर्धारित किया गया पाठ्यक्रम संलग्न है)	आंतरिक परीक्षक 40 बाह्य परीक्षक 40 मौखिक परीक्षा 20 योग 100 85+15=100

18.8.18

18.8.18

18.8.18

18.08.18
Prof. & H.O.D. History
Govt. K.R.G. Auto. College, Gwalior

Scanned with Oken Scanner

शासकीय कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर
अध्ययन मण्डल द्वारा मान्य
सन् 2018–19
एम.ए. (इतिहास) प्रथम सेमेस्टर
प्रथम प्रश्न–पत्र (अनिवार्य)

पूर्णांक–85

इतिहास लेखन की अवधारणा

इकाई–1 इतिहास का अर्थ एवं विस्तार क्षेत्र।
इतिहास की परिभाषा, क्षेत्र एवं प्रकृति
इतिहास में कारण एवं पूर्वाग्रह

इकाई–2 इतिहास में अध्ययन की अन्य शाखायें :
इतिहास का अन्य विषयों के साथ सम्बन्ध,
इतिहास और पुरातत्व, भूगोल, समाजशास्त्र,
साहित्य, राजनीतिशास्त्र एवं प्राकृतिक विज्ञान।

इकाई–3 भारतीय इतिहास की विषय वस्तु :
आर्थिक, मजदूर एवं किसान, वर्ण एवं जाति,
जनजाति, धर्म एवं संस्कृति

इकाई–4 इतिहास के उपागम :
धर्म सम्बन्धी, प्राच्य सांस्कृतिक विशारद, राष्ट्रवादी
साम्राज्यवादी, मार्क्सवादी, उपाश्रयी और उत्तर आधुनिकवादी

इकाई–5 इतिहास के प्रमुख विवाद :
प्राचीन भारतीय इतिहास में नारी, दास, प्रथा
महाराणा प्रतापएवं राष्ट्रवाद, औरंगजेब की धर्मांधता,
1857 ई. के विद्रोह की प्रकृति।

18.8.18

18.8.18

18.8

18.08.18
Prof. & H.O.D. History
Govt. K.R.G. Auto. College, Gwalior

Scanned with Oken Scanner

शासकीय कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर

अध्ययन मण्डल द्वारा मान्य

सन् 2018–19

एम.ए. (इतिहास) प्रथम सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्न–पत्र (अनिवार्य)

पूर्णांक–85

"18वीं सदी का विश्व"

इकाई–1 भारत में ईस्ट इण्डिया कम्पनी का औपनिवेशिक विस्तार :
फ्रांसीसी कम्पनी के साथ संघर्ष, बंगाल में संघर्ष

इकाई–2 ब्रिटेन में टोरी सरकार
संसदीय प्रणाली का विकास, पिट द यंगर,
पिट द एल्डर

इकाई–3 औद्योगिक क्रांति :
कारण, यूरोप में विस्तार, प्रभाव

इकाई–4 अमरीकी स्वतंत्रता संग्राम–1776
कारण, घटनायें, परिणाम
जार्ज वाशिंगटन, थामस जेफर्सन

इकाई–5 फ्रांस की राज्य क्रांति–1789 ई.
कारण, घटनायें, परिणाम

18.8.18

18.8.18

18.08.18

Prof. & H.O.D. History
Govt. K.R.G. Auto. College, Gwalior

Scanned with Oken Scanner

38

शासकीय कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर
अध्ययन मण्डल द्वारा मान्य
सन् 2018–19
एम.ए. (इतिहास) प्रथम सेमेस्टर
तृतीय प्रश्न–पत्र

पूर्णांक–85

मध्यकालीन भारत का राजनैतिक इतिहास
(1191 से 1320 ई.सन्)

इकाई–1 तराइन युद्ध – प्रथम तराइन के युद्ध के कारण, परिणाम, द्वितीय तराइन युद्ध के कारण, परिणाम दिल्ली सल्तनत के इतिहास स्त्रोत।

इकाई–2 दासवंश की स्थापना, कुतुबुद्दीन ऐवक, आरामशाह, शमसुद्दीन–इल्तुतमिश,

इकाई–3 रूकनुद्दीन फीरोजशाह, रजिया, ताज एवं तुर्क अमीरों के मध्य संघर्ष (1236–1265), बलबन, दासवंश के पतन के कारण।

इकाई–4 खिलजी क्रांति, जलालुद्दीन खिलजी, कार्यों का मूल्यांकन, अलाउद्दीन खिलजी का राजत्व सिद्धान्त, मंगोल नीति, बाजार नियंत्रण एवं आर्थिक सुधार एवं प्रशासनिक सुधार।

इकाई–5 अलाउद्दीन खिलजी का साम्राज्यवाद–उत्तर भारत की विजयें, दक्षिण भारत की विजयें, खिलजी वंश के पतन के कारण।

18.8.18
18.8.18
18.8.18
G Mishra
18.08.18
Prof. & H.O.D. History
Govt. K.R.G. Auto. College, Gwalior

Scanned with Oken Scanner

(40)

शासकीय कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर

अध्ययन मण्डल द्वारा मान्य

सन् 2018–19

एम.ए. (इतिहास) प्रथम/तृतीय सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्न–पत्र

(ऐच्छिक)

पूर्णांक–85

भारतीय इतिहास में नारी

इकाई–1 प्राचीन भारत में नारी इतिहास के स्रोत, मध्यकालीन भारत में नारी इतिहास के स्रोत, आधुनिक भारत में नारी इतिहास के स्रोत।

इकाई–2 प्राचीन भारतीय इतिहास में नारी–वैदिकयुगीन नारी, बौद्ध दर्शन में नारी, जैन दर्शन में नारी, ब्राह्मण धर्म में नारी, नारी की सामाजिक, सांसकृतिक एवं आर्थिक दशा।

इकाई–3 मध्यकालीन भारतीय इतिहास में नारी–हिन्दू धर्म में नारी, भक्ति आन्दोलन एवं नारी, इस्लाम धर्म में नारी, प्रशासनिक क्षेत्र में नारी, नारी की सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक दशा।

इकाई–4 आधुनिक भारतीय इतिहास में नारी–हिन्दू धर्म एवं दर्शन में नारी, ईसाई धर्म एवं दर्शन में नारी, सामाजिक–धार्मिक जनजागरण एवं नारी, नारी की सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक दशा।

इकाई–5 भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन में नारी–श्रीमती ऐनीबेसेन्ट, भगिनी निवेदिता, श्रीमती सावित्रीबाई फुली, विजयलक्ष्मी पंडित, सरोजनी नायडू, कस्तूरबा गांधी, दुर्गा भाभी, अरूणा आसफ अली।

18.8.18

18.08.18

Prof. & H.O.D. History
Govt. K.R.G. Auto. College, Gwalior

शासकीय कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर

अध्ययन मण्डल द्वारा मान्य

सन् 2018–19

एम.ए. (इतिहास) प्रथम/तृतीय सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्न–पत्र

(ऐच्छिक)

पूर्णांक–85

ग्वालियर क्षेत्र का इतिहास (प्रारंभ से 1950 ई.सन्)

इकाई–1 ग्वालियर क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति, प्राक्–ऐतिहासिक काल में ग्वालियर, आठवीं शताब्दी तक ग्वालियर का राजनैतिक इतिहास, कच्छपघात राजवंश के काल में ग्वालियर–राजनीति एवं संस्कृति।

इकाई–2 दिल्ली सल्तनतकाल में ग्वालियर, ग्वालियर पर तोमरों का अधिकार, तोमर राजा वीरसिंह देव, राजा डूगेन्द्र सिंह, कीर्ति सिंह, कल्याणमल।

इकाई–3 तोमर राजा मानसिंह और उसकी सांस्कृतिक उपलब्धियाँ, ग्वालियर और दिल्ली सल्तनत के बीच सम्बन्ध, ग्वालियर पर इब्राहिम लोधी का अधिकार।

इकाई–4 मुगल सत्ता के काल में ग्वालियर की स्थिति, ग्वालियर पर महादजी सिंधिया का अधिकार, ग्वालियर–माधवराव प्रथम, जीवाजीराव सिंधिया ग्वालियर में प्रथम स्वतंत्रता संग्राम, ग्वालियर में राष्ट्रीय आन्दोलन।

इकाई–5 ग्वालियर क्षेत्र में धार्मिक जीवन–जैन एवं सूफी, ग्वालियर की स्थापत्य कला, ग्वालियर में चित्रकला, ग्वालियर क्षेत्र के किले और उनका इतिहास, सिंधिया शासन काल में प्रशासन, आर्थिक एवं सांस्कृतिक स्थिति।

18.8.18

18.8.18

18.8.18

18.08.18

Prof. & H.O.D. History
K.R.G. Auto. College, Gwalior

Scanned with Oken Scanner

शासकीय कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर
अध्ययन मण्डल द्वारा मान्य
सन् 2018–19
एम.ए. (इतिहास) द्वितीय सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्न–पत्र
(ऐच्छिक)

पूर्णांक–85

मराठों का इतिहास (1627 से 1761 ई.सन्)

इकाई–1 मराठों का उत्कर्ष, शाहजी भौसले, शिवाजी का उत्थान, हिन्दू स्वराज की अवधारणा।

इकाई–2 शिवाजी के बीजापुर एवं मुगलों से संबंध। शिवाजी का राज्याभिषेक, शासन प्रबंध एवं व्यक्तित्व

इकाई–3 संभाजी, मराठा स्वतंत्रता संग्राम, ताराबाई।

इकाई–4 साहू, बालाजी विश्वनाथ, बाजीराव प्रथम,

इकाई–5 बालाजी बाजीराव। मराठों का पतन अथवा असफलता के कारण। पानीपत का ततीय युद्ध।

18/8/18
18.8.18
18.8.18
18.08.18
Prof. & H.O.D. History
Govt. K.R.G. Auto. College, Gwalior

Scanned with Oken Scanner

शासकीय कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर
अध्ययन मण्डल द्वारा मान्य
सन् 2018–19
एम.ए. (इतिहास) द्वितीय सेमेस्टर
प्रथम प्रश्न–पत्र
(अनिवार्य)

पूर्णांक–85

इतिहास लेखन की अवधारणा एवं विभिन्न वैज्ञानिक विचारधाराएं

इकाई–1 प्राचीनकाल में इतिहास लेखन, ग्रीको–रोमन परंपरा, चीनी इतिहास लेखन, प्राचीन भारत में इतिहास लेखन।

इकाई–2 मध्यकालीन इतिहास लेखन, पश्चिमी इतिहास लेखन, अरेबियन एवं पशिर्यन इतिहास लेखन, मध्यकालीन भारत में इतिहास लेखन।

इकाई–3 अधुनिक कालीन इतिहास लेखन, प्रत्यक्षवादी, व्हिग, मार्क्सवादी और एनाल्स।

इकाई–4 भारतीय आधुनिक इतिहास लेखन, के.पी. जायसवाल, डी.डी. कौशाम्बी, इरफान अबीब, आशीर्वादीलाल श्रीवास्तव, आर.सी. मजूमदार, यदुनाथ सरकार, के.के. शर्मा

इकाई–5 इतिहास के वृहत् सिद्धान्त : युगचक्रवादी सिद्धान्त, सामाजिक सिद्धान्त, तुलनात्मक सिद्धान्त, संरचनात्मक सिद्धान्त, पारिस्थिक सिद्धान्त, वैश्विक सिद्धान्त।

18.8.18

18.08.18
Prof. & H.O.D. History
Govt. K.R.G. Auto. College, Gwalior

Scanned with Oken Scanner

शासकीय कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर
अध्ययन मण्डल द्वारा मान्य
सन् 2018–19
एम.ए. (इतिहास) द्वितीय सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्न–पत्र
(अनिवार्य)

पूर्णांक–85

19वीं सदी का विश्व

इकाई–1 नेपोलियन का युग : प्रारंभिक जीवन, महाद्वीपीय युद्ध, प्रायद्वीपीय युद्ध, विश्व पर प्रभाव।

इकाई–2 पूर्वी समस्या : वियेना कांग्रेस, क्रीमिया युद्ध, बर्लिन कांग्रेस।

इकाई–3 मेटर्निख युग, फ्रांस की क्रांति–1830, 1848

इकाई–4 इटली का एकीकरण, जर्मनी का एकीकरण।

इकाई–5 बिस्मार्क की गृह नीति, विदेश नीति।

18.8.18 18.8.18 18.8.18

18.08.18
Prof. & H.O.D. History
Govt. K.R.G. Auto. College, Gwalior

शासकीय कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर
अध्ययन मण्डल द्वारा मान्य
सन् 2018–19
एम.ए. (इतिहास) द्वितीय सेमेस्टर
तृतीय प्रश्न–पत्र (ख)

पूर्णांक–85

मध्यकालीन भारत का राजनैतिक इतिहास
(1320 से 1526 ई.सन्)

इकाई–1 तुगलक राजवंश की स्थापना, ग्यासुद्दीन तुगलक–गृहनीति, विदेश नीति एवं साम्राज्य विस्तार। सुल्तान मुहम्मद तुगलक–सुधार योजनाऐं एवं उनकी असफलताएँ।

इकाई–2 सुल्तान मुहम्मद तुगलक की मंगोलनीति, मुहम्मद तुगलक के काल में विद्रोह, मुहम्मद तुगलक की असफलता के कारण एवं मूल्यांकन।

इकाई–3 फिरोजशाह तुगलक–गृहनीति, विदेश नीति–साम्राज्य विस्तार, चरित्र एवं कार्यों का मूल्यांकन।

इकाई–4 सैय्यद वंश–खिज खाँ, मुबारक शाह सैय्यद, मुहम्मद शाह सैय्यद, संघर्षों एवं कार्यों का मूल्यांकन।

इकाई–5 लोदी वंश–बहलोल लोदी, सिकंदर लोदी, इब्राहिम लोधी, संघर्षों एवं उपलब्धियों का मूल्यांकन। दिल्ली सल्तनत के पतन के कारण।

18/8/18 18.8.18 18.8.18 18.08.18

Prof. & H.O.D. History
Govt. K.R.G. Auto. College, Gwalior

Scanned with Oken Scanner

(46)

शासकीय कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर
अध्ययन मण्डल द्वारा मान्य
सन् 2018–19
एम.ए. (इतिहास) तृतीय सेमेस्टर
प्रथम प्रश्न–पत्र
(अनिवार्य)

पूर्णांक–85

20वीं शताब्दी का विश्व

इकाई–1 कैसर विलियम द्वितीय एवं विश्व नीति, पूर्वी समस्या–युवा तुर्क क्रांति, बाल्कन युद्ध।

इकाई–2 प्रथम विश्व युद्ध–कारण, घटनायें एवं परिणाम।

इकाई–3 पेरिस शांति सम्मेलन–पराजित राष्ट्रों के साथ की गई संधियाँ, वर्साय संधि एवं अन्य संधियाँ।

इकाई–4 राष्ट्र संघ– समस्यायें, असफलता के कारण प्रथम विश्व युद्ध के पश्चात् आर्थिक मंदी की समस्या, निःशस्त्रीकरण की समस्या, सुरक्षा की समस्या।

इकाई–5 विश्व में अधिनायक वाद का प्रादुर्भाव, फांसीवाद, नाजीवाद, जापान, रूस। संयक्त राज्य अमेरिका एवं इंग्लैण्ड की तुष्टिकरण की नीति।

18/8/18
18.8.18
18.8.18
Gmishra
18.08.18
Prof. & H.O.D. History
Govt. K.R.G. Auto. College, Gwalior

Scanned with Oken Scanner

शासकीय कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर

अध्ययन मण्डल द्वारा मान्य

सन् 2018–19

एम.ए. (इतिहास) तृतीय सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्न–पत्र (ख)

पूर्णांक–85

मध्यकालीन भारत का राजनैतिक इतिहास
(1526 से 1605 ई.सन्)

इकाई–1 मुगलकाल में इतिहास लेखन, मुगल इतिहास के स्रोत, मुगल साम्राज्य का संस्थापक बाबर – विजयें एवं प्रशासन, भारत की राजनीतिक दशा। पानीपत का युद्ध–1, खानवा का युद्ध।

इकाई–2 हुमायूँ – बहादुर शाह से संघर्ष, शेर खाँ से संघर्ष, कठिनाईयाँ, असफलता के कारण, चरित्र तथा मूल्यांकन।

इकाई–3 शेरशाह सूरी और उसका प्रशासन – शेरशाह की विजयें तथा शासन प्रबंध, शेरशाह का अकबर के अग्रगामी के रूप में चरित्र तथा मूल्यांकन।

इकाई–4 अकबर– मुगल साम्राज्य का विस्तार – प्रारंभिक जीवन एवं बैरम खाँ का संरक्षण काल, पानीपत का द्वितीय युद्ध, अकबर की अन्य विजयें। मनसबदारी प्रथा।

इकाई–5 अकबर की नीतियाँ – राजपूत नीति, धार्मिक नीति, अकबर राष्ट्रीय सम्राट के रूप में, अकबर का व्यक्तित्व तथा मूल्यांकन।

Prof. & H.O.D. History
Govt. K.R.G. Auto. College, Gwalior

Scanned with Oken Scanner

शासकीय कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर
अध्ययन मण्डल द्वारा मान्य
सन् 2018–19
एम.ए. (इतिहास) तृतीय सेमेस्टर

तृतीय प्रश्न–पत्र (ख)

पूर्णांक–85

मध्यकालीन भारत का सांस्कृतिक इतिहास
(1191 से 1526 ई.सन्)

इकाई–1 दिल्ली सल्तनत की शासन व्यवस्था – मुस्लिम राज्य के आधार तत्व :– धर्मतंत्र, केन्द्रीय शासन, प्रान्तीय शासन, राजस्व प्रशासन, सैन्य प्रशासन, न्याय प्रशासन।

इकाई–2 सल्तनत काल में स्थापत्य तथा साहित्य : इस्लामिक स्थापत्य कला का विकास, हिन्दू–मुस्लिम शैली का उद्‌भव तथा विकास। सल्तनतकालीन साहित्य।

इकाई–3 दासवंश का स्थापत्य, खिलजी वंश का स्थापत्य, तुगलक वंश का स्थापत्य, सैय्यद एवं लोदी वंश के स्थापत्य।

इकाई–4 भक्ति आंदोलन–भक्ति आंदोलन के कारण, स्वरूप एवं विशेषतायें, दक्षिण भारत में भक्ति आंदोलन। भक्ति आंदोलन का प्रभाव। सूफीमत–भारत में सूफीमत का विकास, हिन्दू–मुस्लिम एकता के लिए संतों के प्रयास।

इकाई–5 सल्तनतकाल में सामाजिक तथा आर्थिक जीवन–सामाजिक स्थिति, आर्थिक, सुल्तानों की आर्थिक नीति, कृषि की दशा, शहरीकरण, व्यापार तथा उद्योग, सुल्तानों की धार्मिक नीति, हिन्दुओं की दशा।

18/8/18 18.8.18 18.8.18

18.08.18
Prof. & H.O.D. History
G. Auto. College, Gwalior

Scanned with Oken Scanner

शासकीय कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर
अध्ययन मण्डल द्वारा मान्य
सन् 2018–19
एम.ए. (इतिहास) चतुर्थ सेमेस्टर
प्रथम प्रश्न–पत्र
(अनिवार्य)

पूर्णांक–85

20वीं सदी का विश्व
(सन् 1939 से 1990 ई.)

इकाई–1 द्वितीय विश्व युद्ध–कारण, घटनायें एवं परिणाम।

इकाई–2 संयुक्त राष्ट्र संघ–संगठन, समस्यायें एवं उपलब्धियाँ।

इकाई–3 शीत युद्ध – परिभाषा, उत्पत्ति के कारण एवं विकास। गुट निरपेक्ष आन्दोलन – सिद्धान्त, उपलब्धियाँ एवं चुनौतियाँ।

इकाई–4 मध्य–पूर्व की समस्या – सोवियत संघ का विघटन–कारण, परिणाम।

इकाई–5 उदारीकरण, वैश्वीकरण एवं सूचना क्रांति।

18/8/18

18.8.18

18.8.18

18.08.18

Prof. & H.O.D. History
Govt. K.R.G. Auto. College, Gwalior

Scanned with Oken Scanner

शासकीय कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर
अध्ययन मण्डल द्वारा मान्य

सन् 2018–19

एम.ए. (इतिहास) चतुर्थ सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्न–पत्र (ख)

पूर्णांक–85

मध्यकालीन भारत का राजनैतिक इतिहास (1605 से 1740 ई.सन्)

इकाई–1 जहाँगीर–प्रारंभिक जीवन, विजयें, विद्रोह, धार्मिक नीति, राजपूत नीति, मूल्यांकन, चित्रकला।

इकाई–2 नूरजहाँ – नूरजहाँ का प्रारंभिक जीवन, शासनकाल की मुख्य घटनायें, नूरजहाँ का प्रशासन पर प्रभाव, मूल्यांकन।

इकाई–3 शाहजहाँ – राज्यारोहण, शासनकाल में विद्रोह तथा विजयें, दक्षिण नीति, उत्तर पश्चिम सीमा नीति, धार्मिक तथा राजपूत नीतियाँ। उत्तराधिकार का युद्ध। क्या शाहजहाँ का काल स्वर्ण युग था ?

इकाई–4 औरंगजेब–राज्याभिषेक तथा प्रारंभिक कार्य, सीमान्त नीति तथा विजयें, धार्मिक नीति, राजपूत नीति, दक्षिण नीति, चरित्र तथा मूल्यांकन।

इकाई–5 मुगल–मराठा संबंध, मुगल साम्राज्य का पतन, औरंगजेब का उत्तरदायित्व, शिवाजी के नेतृत्व में मराठों का उत्थान।

Prof. & H.O.D. History
Govt. K.R.G. Auto. College, Gwalior

Scanned with Oken Scanner

शासकीय कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर
अध्ययन मण्डल द्वारा मान्य
सन् 2018–19
एम.ए. (इतिहास) चतुर्थ सेमेस्टर
तृतीय प्रश्न–पत्र (ख)

पूर्णांक–85

मध्यकालीन भारत का सांस्कृतिक इतिहास
(सन् 1526 से 1740 ई.)

इकाई–1 मुगलकाल में सामाजिक तथा आर्थिक जीवन–सामाजिक जीवन, आर्थिक जीवन, कृषि, शिल्प तथा उद्योग, व्यापार तथा वाणिज्य।

इकाई–2 मुगलकाल में केन्द्रीय तथा प्रान्तीय प्रशासन–मुगल राजत्व की अवधारणा, केन्द्रीय प्रशासन, प्रान्तीय प्रशासन, स्थानीय प्रशासन, मनसबदारी प्रणाली, भू–राजस्व नीति, मुगल प्रशासन के गुण तथा दोष।

इकाई–3 मुगलकाल में शिक्षा तथा साहित्य–मुगलकाल में शिक्षा प्रणाली, मुगलकालीन साहित्य, शिक्षा के उद्देश्य, हिन्दी साहित्य, फारसी साहित्य।

इकाई–4 मुगलकाल में कला तथा स्थापत्य– मुगल स्थापत्यकला, अकबर के काल की स्थापत्यकला, जहाँगीर के काल की स्थापत्य कला, शाहजहाँ के काल की स्थापत्यकला, मुगलकाल में चित्रकला।

इकाई–5 मराठा शक्ति का उत्थान–शिवाजी का शासन प्रबंध, शिवाजी राष्ट्र निर्माता के रूप में, शिवाजी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व। चौथ एवं सरदेशमुख।

18.8.18 18.8.18 18.8.18

18.08.18
Prof. & H.O.D. History
Govt. K.R.G. Auto. College, Gwalior

Scanned with Oken Scanner

शासकीय कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर
अध्ययन मण्डल द्वारा मान्य
सन् 2018–19
एम.ए. (इतिहास) चतुर्थ सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्न–पत्र

पूर्णांक–100

आंतरिक परीक्षक – 40

वाह्य परीक्षक – 40

मौखिक परीक्षा – 20

लघु शोध प्रबन्ध

अथवा

ऐतिहासिक स्थलों का सर्वेक्षण करने के पश्चात् प्रतिवेदन प्रस्तुति

अथवा

निबन्ध

नोट: (समस्त 7 प्रश्नपत्रों में से कम से कम 2-2- प्रश्न- इस प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम में रहेंगे, जैसा कि पाठ्यक्रम में दर्शाया जा रहा है।)

पाठ्यक्रम: इस प्रश्नपत्र में → निम्नांकित में से (प्रत्येक विषय से संबधित) 10 प्रश्न दिये जायेंगे जिनमें से किसी एक पर निबन्ध लिखा जायेगा। इसका अंक विभाजन → 85 अंकों का प्रश्नपत्र होगा। अंक 15 का C.C.E. होगा।

(1) ऐतिहासिक स्त्रोत (2) अमेरिका का स्वतंत्रता संग्राम
(3) औद्योगिक क्रांति (4) राष्ट्रीय आंदोलन में नारी
(5) तोमर कालीन ग्वालियर (6) सिंधिया कालीन ग्वालियर
(7) आधुनिक भारतीय इतिहासकार (8) नेपोलियन (युग) तृतीय
(9) बिस्मार्क (10) तुगलक वंश (11) शिवाजी- राष्ट्र निर्माता के रूप में
(12) प्रथम विश्व युद्ध (13) अकबर;- साम्राज्य विस्तारक, राष्ट्रीय सम्राट
(14) भक्ति आंदोलन (15) द्वितीय विश्व युद्ध
(16) मुगल संस्कृति " स्थापत्य, चित्रकला (17) भारतीय इतिहास में नारी
(18) हिटलर / मुसोलिनी (19) शाहजहां काल- स्वर्णयुग (20) मराठा-मुगल संबंध
(21) मनसबदारी व्यवस्था (22) सल्तनत काल में राजत्व के सिद्धांत।

18.8.18 18.8.18

Prof. & H.O.D. History
K.R.G. Auto. College, Gwalior
18.08.2018